Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding developments in Gaya and Aurangabad districts in Bihar under Aspirational Districts Programme-laid.

श्री सुशील कुमार सिंह (औरंगाबाद) : सभापति महोदय, मेरा संसदीय क्षेत्र, औरंगाबाद दक्षिण बिहार के दो जिले गया और औरंगाबाद है। देश के सम्यक विकास के लिए ऐसे पिछड़े जिलों को विकसित करने हेतु माननीय प्रधानमंत्री जी की दूरगामी उन्नत सोच के तहत देश भर से 115 जिलों का चयन किया गया, जिसे आकांक्षावान जिलों का नाम दिया गया। सरकारी उपेक्षा के शिकार दोनों जिले नक्सल प्रभावित एवं औद्योगिक शून्यता के आभाव में आकांक्षी जिलों की सूची में शामिल हैं। विगत एक दशक से कम समय में केन्द्र के अथक सरकारी प्रयासों से इन जिलों ने विकास के नए आयाम चूमे हैं, तथापि प्रयासों में निरन्तरता एवं गति में शिथिलता एवं कई मामलों में नियमों की तकनीकी बाध्यता विकास की राह में अवरोध बनती है, इन्हें दूर किया जाना चाहिए।

उदाहरणार्थ LWE के तहत सड़क निर्माण के प्रावधान के साथ ही, समपार, छोटे पुल अथवा जल धारा पर छोटी पुलिया के निर्माण की स्वीकृति का अधिकार भी सक्षम पदाधिकारी को होना चाहिए, जो स्थानीय प्रशासन एवं जनप्रतिनिधि की राय से किया जाना चाहिए। इन सरल उपबंधों के अभाव में विकास अवरुद्ध होता है। यद्यपि सभी आकांक्षी जिलों में द्रुतगामी सड़क परिवहन एवं बेहतर संपर्क से अपेक्षाकृत बेहतर विकास हुआ है, तथापि बेहतर शैक्षिक विकास अवसरों के अभाव में आर्थिक विकास अपेक्षित गति नहीं पा रहा।

उदाहरणार्थ औरंगाबाद में मेडिकल कॉलेज की स्थापना हेतु मैंने रा.रा.मार्ग पर अपनी 20 एकड़ जमीन कॉलेज हेतु देने की पेशकश लिखित रूप से सरकार से की। किन्तु सरकारी उदासीनता एवं केन्द्रीय मानदंड इसमें बाधक हैं।

मेरी सरकार से मांग है कि आकांक्षी जिलों में शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार को प्राथमिकता मिलनी चाहिए तथा ऐसे मामलों में शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना

में सरकारी भागीदारी से शैक्षणिक संस्थानों को अविलंब स्वीकृति मिलनी चाहिए, जिससे आकांक्षी जिलों के विस्तार को नया आयाम और समानान्तर आर्थिक विकास संभव हो सके। ... (व्यवधान)